10/2/25 पत्रावली पेशी में ली गई। उभयपक्ष उपस्थित। पत्रावली का अवलोकन किया गया। बाद अवलोकन अभिवक्तागण की बहस, साक्ष्य सबूतों को मध्यनजर रखते हुए। बाद ~~[illegible]~~ अनुसार निर्णय अलग से लिखाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया। जोन उपरान्त डा०/नि० किया जाकर पत्रावली दाखिल दफ्तर हो।

Signature Not Verified

Digitally signed by Mangi Lal
Date: 2025.04.15 10:21:16 IST
Reason: SelfAttested

सत्यापित कर्मचारी
एवं उपखण्ड अधिकारी
हनुमानगढ़